30-06-2022

मल्टी उत्पाद परिसरों के विकास को

चीनी कारखाने आगे आयें : गन्ना मंत्री

कानपुर (एसएनबी)। प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने बुधवार को यहां राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में एथनॉल उत्पादन में अग्रणी चीनी कारखानों को मल्टी उत्पाद परिसरों में तब्दील किये जाने पर जोर दिया, जिससे उनकी लाभप्रदता बढ़ सके। श्री चौधरी संस्थान में 'विविधता के युग में भारतीय चीनी उद्योग की मॉडलिंग' विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

> राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में 'विविधता के युग में भारतीय चीनी उद्योग की मॉडलिंग' विषयक संगोष्ठी

श्री चौधरी ने इस मौके पर एथनॉल की उच्चतम मात्रा में योगदान करने वाले प्रदेश के चीनी उद्योग की प्रशंसा की। इसके साथ ही उन्होंने वित्तीय व्यवहार्यता के लिए चीनी कारखानों को मल्टी उत्पाद परिसरों में परिवर्तित करने के लिए सरकारी प्रोत्साहन का लाभ उठाने के लिए आगे आने का आह्वान किया।

संगोष्ठी में मेसर्स डालमिया भारत शुगर्स लिमिटेड के सीईओ पंकज रस्तोगी व अमित नेगी, मेसर्स अवध शुगर्स एंड एनर्जी लिमिटेड के प्रमोद मेहदियां, मेसर्स सेकसरिया विसवान शुगर फैक्ट्री लिमिटेड के शैलेन्द्र त्रिपाठी, मेसर्स राज प्रोसेस इक्विपमेंट एंड सिस्टम के अनिल पाइस, मेसर्स आईएसजीईसी नोएडा के बिजनेस हेड संजय अवस्थी, भोजराज कंसल्टेंट, पुणे के श्री सुरा आदि ने चीनी मिलों को कई उत्पादों वाले एक मॉडल में बदलने पर अपने अनुभव व अपेक्षाओं को साझा किया। संस्थान निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन ने मॉडल चीनी मिल परिसरों के विकास के लिए लीक से हटकर कार्य करने की सलाह दी। चीनी मिलों में कई बहुपयोगी उत्पादों के निर्माण की संभावनाएं हैं, जिनका दोहन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीनी मिलों के लिए एक मजबूत आत्मनिर्भर मॉडल विकसित करना बहुत महत्वपूर्ण है। संस्थान के सहायक प्रोफेसर अनूप कुमार ने विषय पर अपनी प्रस्तुती दी। अनुष्का कनोडिया की संचालित संगोष्ठी में सहायक प्रोफेसर अशोक गर्ग व यूपी चीनी मिल संघ के महासचि दीपक गुप्ता ने भागीदारी की।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में राष्ट्रीय संगोष्ठी में पुस्तक का विमोचन करते गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मी नारायन चौधरी, निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन, पंकज रस्तोगी व अन्य। फोटो : एसएनबी

दीप जलाते मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, निदेशक नरेन्द्र मोहन व अन्य।

सालभर चलें चीनी मिले, इथेनाल से लाभ

कानपुर, 29 जून। एनएसआई में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए गन्ना मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहाकि पूरे साल चीनी मिलों को चलना चाहिये। अब मिलों में चीनी व इथेनॉल बनने के साथ अन्य बहुउत्पाद का भी निर्माण किया जाए। उन्होंने कहा कि मिलों में टेक्नोलॉजी का समावेश किया जाए लेकिन रोजगार में कमी नहीं आनी चाहिए, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। मिले 12 माह संचालित होंगी तो सभी को स्थाई रोजगार मिलेगा, अभी दो तिहाई कर्मचारी सिर्फ सीजन में ही नौकरी करते हैं। प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहाकि पारंपरिक मॉडल को कई उत्पाद वाले मॉडल में बदलने के लिए आउट ऑफ बॉक्स सोच विकसित करने की सलाह दी। मिलों में इथेनॉल से लेकर ग्रीन हाइड्रोजन तक, चीनी से लेकर डायटरी फाइबर तक, ईधन से लेकर इकोफ्रेंडली कटलरी तक तैयार किया जा सकता है। वैज्ञानिक अनूप कुमार कनौजिया ने चीनी संयंत्रों को संशोधित कर रॉ-रिफाइंड चीनी संयंत्रों में परिवर्तित करने का मॉडल प्रस्तुत किय इस मौके पर संजय अवस्थी, अशोक गर्ग, महेंद्र यादव, दीपक, अमित नेगी आदि थे।

pioneer
JUNE 30, 2022

Min calls upon sugar industry to take advantage of govt incentives

PNS ■ KANPUR

Uttar Pradesh Minister for Sugarcane Development and Sugar Industry, Laxmi Narayan Chaudhary, while addressing the one-day national seminar on "Modelling of Indian Sugar Industry in Diversification Era", organised jointly by National Sugar Institute, Kanpur, and UP Sugar Mills Association on Wednesday called upon the sugar industry to come forward to take advantage of government incentives to convert sugar factories into complexes with thrust on ethanol production to improve their financial viability.

He complimented the sugar industry of Uttar Pradesh for contributing highest quantities of ethanol for blending. He advised sugar factories to protect the interest of sugarcane farmers and other stakeholders as well. Chief Executive Officer, Dalmia Bharat Sugars Ltd, Pankaj Rastogi, shared experiences about Brazilian model of sugar and ethanol production. He said the government had come out with very proactive policies and it was now the turn of sugar industry to come forward and adopt changes in the conventional system to move forward to achieve targets of sugar and ethanol production.

UP Minister for Sugarcane Development & Sugar Industry Laxmi Narayan Chaudhary addressing the national seminar on "Modelling of Indian Sugar Industry in Diversification Era" at NSI on Wednesday.

Addressing the seminar Director, NSI, in his key note address advised industry personnel to develop an out of box thinking to change the conventional model of sugar factories producing sugar to one having multiple products. He said from ethanol to green hydrogen and from sugar to dietary fibre, from fuel to eco-friendly cutlery, the sugar industry provided enormous opportunities for diversification.

He said it was necessary to diversify to improve economic sustainability, it was also important to develop a robust self-sustainable model for ensuring availability of raw material and other infrastructural facilities and thus the capacities of sugar and other integrated units should be carefully planned.

In the technical session, Amit Negi, Dalmia Bharat Sugars Ltd, Pramod Mehdiyan, M/s Avadh Sugar & Energy Ltd, and Shailendra Tripathi, Scksaria Biswan Sugar Factory Ltd shared their experiences on changes required to be made in the processing house of sugar plant while diverting syrup and other process intermediates for ethanol production. Technical Officer Mahendra Kumar Yadav presented details of an innovative technology for producing refined sugar using carbon di-oxide gases from distillery fermenter and utilising mechanical vapour re-compressors for reducing cost of production of refined sugar. Anil Pise, Raj Process Equipment and System presented details of technology for spray drying of effluent from molasses based distilleries and to convert it into valuable potash rich fertiliser. Presentation on various models of sugar factories while focusing on ethanol produc-

दैनिक नगर छाया
आप की आवाज.....
WWW.nagarchhaya.com
कानपुर

भारतीय चीनी उद्योग की मॉडलिंग पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर और उत्तर प्रदेश चीनी मिल संघ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित विविधता के युग में भारतीय चीनी उद्योग की मॉडलिंग पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन आज श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, माननीय गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किया गया।

अपने संबोधन में, उन्होंने चीनी उद्योग को अपनी वित्तीय व्यवहार्यता में सुधार के लिए इथेनॉल उत्पादन पर जोर देने वाले चीनी कारखानों के परिसरों में परिवर्तित करने के लिए सरकारी प्रोत्साहन का लाभ उठाने के लिए आगे आने का आह्वान किया। सम्मिश्रण के लिए इथेनॉल की उच्चतम मात्रा में योगदान करने के लिए उत्तर प्रदेश के चीनी उद्योग की प्रशंसा करते हुए उन्होंने चीनी कारखानों को गन्ना किसानों और अन्य हितधारकों के हितों की रक्षा करने की सलाह दी।

श्री पंकज रस्तोगी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मेसर्स डालमिया भारत शुगर्स लिमिटेड ने चीनी और इथेनॉल उत्पादन के ब्राज़ील मॉडल के बारे में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने उत्पादन लागत को कम करने और बड़े पैमाने पर समाज को लाभान्वित करने के लिए खेत से कारखाने तक उत्पादकता में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी के अधिक उपयोग और नवीन तकनीकों के विकास की सलाह दी।

श्री नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने अपने सम्बोधन में प्रतिभागियों को चीनी का उत्पादन करने वाले चीनी कारखानों के पारंपरिक मॉडल को कई उत्पादों वाले एक मॉडल में बदलने के लिए आउट ऑफ बॉक्स सोच विकसित करने की सलाह दी। इथेनॉल से लेकर ग्रीन हाइड्रोजन तक, चीनी से लेकर डायटरी फाइबर तक और ईंधन से लेकर इको-फ्रेंडली कटलरी तक, चीनी उद्योग विविधीकरण और आय के लिए अनेको अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि जहां आर्थिक स्थिरता में सुधार के लिए विविधता लाना आवश्यक है, वहीं कच्चे माल और अन्य बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत आत्मनिर्भर मॉडल विकसित करना भी महत्वपूर्ण है और इसलिए चीनी और अन्य एकीकृत इकाइयों की क्षमता की सावधानीपूर्वक योजना बनाई जानी चाहिए।

तकनीकी सत्र में श्री अमित नेगी, मैसर्स डालमिया भारत शुगर्स लिमिटेड, श्री प्रमोद मेहदिया, मेसर्स अवध शुगर एंड एनर्जी लिमिटेड और श्री शैलेंद्र त्रिपाठी, मेसर्स सेकसरिया बिसवान शुगर फैक्ट्री लिमिटेड ने इथेनॉल उत्पादन के लिए

सिरप और बी हैवी मोलासेस को प्रयोग करते समय चीनी संयंत्र मे आवश्यक परिवर्तनों के मॉडल पर अपने अनुभव साझा किए।

संस्थान के श्री अनूप कुमार कनौजिया, सहायक प्रोफेसर शुगर इंजीनियरिंग ने अपनी प्रस्तुति में एक मॉडल ऑफ़ प्रदर्शित करते हुए कहा कि मौजूदा चीनी संयंत्रों को संशोधित करके रॉ-रिफाईड चीनी संयंत्रों में परिवर्तित करना समय की आवश्यकता है, जिसमें इथेनॉल उत्पादन के लिए सिरप और बी हेवी शीरा को उपयोग करने की सुविधा है। उन्होंने कहा कि यह एक आत्मनिर्भर मॉडल है जिसमें न्यूनतम निवेश की आवश्यकता होगी और इसके परिणामस्वरूप चीनी का उत्पादन सीमित होगा और इथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। श्री महेंद्र कुमार यादव, तकनीकी अधिकारी ने डिस्टिलरी फर्मेंटेर से कार्बन डाइ-ऑक्साइड गैसों का उपयोग करके रिफाईड चीनी के उत्पादन और रिफाईड चीनी के उत्पादन की लागत को कम करने के लिए यांत्रिक वाष्प री-कंप्रेसर का उपयोग करने के लिए एक नवीन तकनीक का विवरण प्रस्तुत किया।

मैसर्स राज प्रोसेस इक्विपमेंट एंड सिस्टम के अनिल पाइस ने शीरा आधारित डिस्टिलरीज से निकलने वाले अपशिष्ट की स्प्रे ड्राइंग एवं इसे मूल्यवान पोटाश समृद्ध उर्वरक में बदलने के लिए प्रौद्योगिकी का विवरण प्रस्तुत किया। श्री संजय अवस्थी, बिजनेस हेड, मैसर्स आईएसजीईसी, नोएडा और सुरा के भोजराज, कंसल्टेंट, पुणे द्वारा इथेनॉल उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करते हुए चीनी कारखानों के विभिन्न मॉडलों पर प्रस्तुति गई।

उपलब्धि

एनएसआई और शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ने किया शोध कार्य

गन्ने की खोई से निचोड़ेंगे इथेनॉल की आखिरी बूंद

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। गन्ने की खोई से सेकेंड जनरेशन इथेनॉल बनाने का टू-जी शोध सफल हो गया है। सेकेंड जनरेशन इथेनॉल का मतलब है कि किसी चीज से दो बार वही तत्व प्राप्त किया जाए। इस विधि में एक बार तो गन्ने के शीरे से इथेनॉल बनाया जाता है। इसके बाद खोई रूपी कचरे में कुछ एंजाइम मिलाकर इसमें फिर कार्बन और सेल्युलोज पैदा कर दिया जाता है। इससे फिर इथेनॉल निकाला जाता है। इस तरह गन्ने के शीरे और इसके कचरे से दो बार इथेनॉल बनाया जा सकेगा। अब इस प्रक्रिया को चीनी मिलों और डिस्टलरियों में शुरू किए जाने की तैयारी चल रही है।

शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और इसजैक के बिजनेस हेड संजय अवस्थी ने नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट के साथ मिलकर यह शोध किया है। बुधवार को इंस्टीट्यूट में आयोजित सेमिनार में संजय ने बताया कि गन्ने के रस के कचरे से सीएनजी बनाई जा रही है। इस कचरे को मैली कहते हैं। सौ टन मैली से चार टन सीएनजी बन जाती है। उन्होंने बताया कि एक गन्ने से 20 से अधिक स्टार्टअप शुरू किए जा सकते हैं। अब गन्ने से सिर्फ चीनी ही बनाने वाला जमाना नहीं रहा। गन्ने के रस से प्राप्त होने वाले रसायनों का इस्तेमाल फार्मास्युटिकल्स कंपनियों में भी हो रहा है। गन्ने से इथेनॉल और दूसरे सह उत्पाद बनाए जाने से अब चीनी मिलें पूरे साल चलती हैं।

चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी को स्मृति चिह्न देते निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन, साथ में संजय अवस्थी। संवाद

विपक्ष अग्निपथ को बेवजह बना रहा मुद्दा

चीनी उद्योग मंत्री ने कहा कि चुनावों में पराजित होने के बाद विपक्ष मुद्दा ढूंढ रहा है। अग्निपथ योजना को बेवजह मुद्दा बनाया जा रहा है। यह योजना नौजवानों के हित में भी है। इससे राष्ट्र को मजबूती मिलेगी। राजस्थान में दर्जी की गला काटकर हत्या के मामले में चीनी उद्योग मंत्री चौधरी ने कहा कि राजस्थान सरकार के कृत्य विकास में रोड़ा बन रहे हैं। यह जघन्य अपराध है। कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए।

चीनी के सह उत्पाद भी बनाएं चीनी मिलें

चीनी मिलों को मौसमी उद्यम नहीं बल्कि साल के 12 महीने रोजगार देने वाला बनना चाहिए। पांच महीने तो चीनी बनाई जाती है। इसके बाद मिलों को इथेनॉल और दूसरे सह उत्पादों पर काम करना चाहिए। इससे कर्मचारियों को साल भर रोजगार मिलेगा। मिलों की आय बढ़ जाएगी। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) में 'विविधता के युग में भारतीय चीनी उद्योग की मॉडलिंग' विषय पर हुए सेमिनार में ये बातें गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहीं। केंद्रीय सचिव (शर्करा) सुबोध कुमार सिंह ने खेत से कारखाने तक उत्पादकता में सुधार के लिए तकनीकों के इस्तेमाल पर बल दिया। एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कहा कि गन्ने से इथेनॉल, ग्रीन हाइड्रोजन, चीनी, डाइटरी फाइबर समेत बहुत से उत्पाद तैयार कर आय बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि एनएसआई में गन्ने का रस गाढ़ा करने में निकलने वाली भाप का दोबारा इस्तेमाल करने का मॉडल तैयार कर लिया है। इस भाप को वातावरण में जाने नहीं दिया जाता बल्कि उपकरण के जरिये फिर हीटिंग में इस्तेमाल किया जाता है। इससे ऊर्जा की बचत होती है। तकनीकी सत्रों में विभिन्न कंपनियों के अधिकारियों और विज्ञानियों ने मॉडल पेश किए। कार्यक्रम का संचालन अनुष्का कनोडिया ने किया।

12 माह चलें चीनी मिलें, शुरू करें लघु उद्योग: मंत्री

संगोष्ठी

कानपुर, वरिष्ठ संवाददाता। प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि चीनी मिलें सिर्फ सीजन नहीं बल्कि पूरे 12 माह चलें। इसके लिए मिल में चीनी व इथेनॉल बनने के साथ अन्य बहुउत्पाद का भी निर्माण किया जाए। मिलें अपने परिसर में छोटे-छोटे लघु उद्योग स्थापित करें। जिससे रोजगार को भी बढ़ावा मिले। इसके लिए प्रदेश सरकार पूरी मदद करेगी।

एनएसआई में उप्र चीनी मिल संघ की ओर से बुधवार को विविधता के युग में भारतीय चीनी उद्योग की मॉडलिंग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गन्ना मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने किया। मंत्री ने कहा कि इथेनॉल उत्पादन को चीनी मिलों को प्रोत्साहित किया जाएगा। पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण में यूपी बड़ा योगदान कर रहा है, इसके लिए चीनी मिलें प्रशंसा के पात्र हैं। डालमिया शुगर्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पंकज रस्तोगी ने चीनी व इथेनॉल उत्पादन के ब्राजील मॉडल की जानकारी दी। प्रो. नरेंद्र मोहन ने पारंपरिक मॉडल को कई उत्पाद वाले मॉडल में बदलने के लिए आउट ऑफ बॉक्स सोच विकसित करने की सलाह दी। संस्थान के वैज्ञानिक अनूप कुमार कनौजिया ने चीनी संयंत्रों को संशोधित कर रॉ-रिफाइंड चीनी संयंत्रों में परिवर्तित करने का मॉडल प्रस्तुत किया। जिसमें इथेनॉल उत्पादन के लिए सिरप व बी हेवी शीरा को उपयोग करने की सुविधा है। अनिल पाइस ने डिस्टलरी से निकलने वाले अपशिष्ट की स्प्रे ड्राइंग के बारे में जानकारी दी। अनुष्का कनोडिया, संजय अवस्थी, अशोक गर्ग, महेंद्र यादव, दीपक, अमित रहे।

एनएसआई में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ गन्ना विकास मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने किया।

- एनएसआई में इंडस्ट्रियलिस्ट व वैज्ञानिकों संग गुणवत्ता पर मंत्री ने किया मंथन
- कहा-चीनी मिलें परिसर में छोटे-छोटे लघु उद्योग स्थापित करें, सरकार मदद करेगी

राष्ट्रहित में सेनाध्यक्षों का फैसला है अग्निवीर

कानपुर। मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि अग्निवीर योजना राष्ट्रहित में होने के साथ युवाओं के लिए कल्याणकारी है। इसे तीनों सेनाध्यक्षों ने मिलकर तैयार किया है, जिस पर केंद्रीय सरकार ने मुहर लगाया है। विरोध करने वाले क्या तीनों सेनाध्यक्षों से बड़े देशभक्त हैं।

पत्रकारों से बातचीत में कहा कि चुनाव में हार के बाद विपक्ष विरोध का बहाना खोज रहा था, जिसे वह अग्निवीर का विरोध कर पूरा कर रहा है। गन्ना मंत्री ने उदयपुर में हुई घटना की निंदा की। कहा, यह राजस्थान सरकार की विफलता है। राजस्थान सरकार ऐसे कृत्य लगातार कर रही है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किए जा रहे विकास कार्यों में बाधा बन रही है। उन्होंने आरोपितों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। कहा, युवा किसी के बहकावें में न आएं। 'अग्निपथ योजना' युवाओं के लिए अच्छी है।

चीनी मिलों को सरकार देगी प्रोत्साहन

जागरण संवाददाता, कानपुर: चीनी एवं गन्ना विकास मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि प्रदेश में चीनी मिलें पांच से छह माह तक ही संचालित होती हैं। इसमें काम करने वाले अधिकांश लोग गन्ने के सीजन में काम करते हैं। चीनी मिल संचालक कारखानों में परिवर्तन लायें और वो सिर्फ पांच माह नहीं बल्कि पूरे साल इथेनाल के साथ मूल्यवर्धक उत्पाद जैसे खोई से कम्पोस्टेबल क्राकरी, बायो केमिकल, नैनो सिलिका पार्टिकल सहित अन्य उत्पाद बनाने पर काम करें। सरकार चीनी मिलों को हरसंभव प्रोत्साहन देगी। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को समय पर भुगतान संभव होगा। रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री लक्ष्मी नारायण बुधवार को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट) कानपुर और उत्तर प्रदेश चीनी मिल संघ द्वारा आयोजित विविधता के युग में भारतीय चीनी उद्योग की माडलिंग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने पहुंचे थे। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने प्रतिभागियों को चीनी का उत्पादन करने वाले चीनी कारखानों के पारंपरिक माडल को कई उत्पादों वाले एक माडल में बदलने के लिए आउट आफ बाक्स सोच विकसित करने की सलाह दी। मंत्री ने कहा कि अग्निपथ योजना का विरोध कर विपक्षी युवाओं को गुमराह कर रहे हैं।

एनएसआइ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में गन्ना विकास एंव चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी को प्रतीक चिह्न भेट करते निदेशक नरेन्द्र मोहन • जागरण